

अमान्यता स्त्री. (तत्.) मान्यता न मिलने की स्थिति, अस्वीकृति।

अमान्यीकरण पुं. (तत्.) किसी दावे या प्रार्थना को अमान्य या खारिज करने की क्रिया।

अमाप वि. (तत्.) जिसके परिमाण या माप का अंदाज न किया जा सके, अपरिमित।

अमापनीय वि. (तत्.) 1. जिसे मापा न जा सके 2. जिसे मापने की आवश्यकता न हो।

अमापित वि. (तत्.) जो मापा हुआ न हो।

अमाप्य वि. (तत्.) 1. जो मापने योग्य नहीं है। 2. अमापनीय।

अमामा पुं. (अर.) बड़ी पगड़ी या साफे का प्रकार जिसे प्रायः मुस्लिम अमीर बाँधते हैं।

अमाया वि. (तत्.) 1. माया रहित 2. निर्लिप्त 3. निःस्वार्थ 4. निश्छल स्त्री. (तत्.) 1. निष्कपटता, निश्छलता 2. ईमानदारी 3. भ्रम का अभाव।

अमायिक वि. (तत्.) 1. दोषरहित, निष्कपट 2. मायारहित।

अमायी वि. (तद्.) दे. अमायिक।

अमार्ग पुं. (तत्.) 1. मार्गहीनता 2. कुमार्ग, कुपथ वि. पथ-विहीन, मार्गभ्रष्ट।

अमार्जित वि. (तत्.) 1. जिसे धोकर शुद्ध न किया गया हो, अस्वच्छीकृत 2. जिसका संस्कार न हुआ हो असंस्कृत अनगढ़।

अमार्ज्य वि. (तत्.) 1. जिसे स्वच्छ न किया जा सके 2. जिसका संस्कार या शोधन संभव न हो।

अमावर स्त्री. (तद्) पके आम के रस को सुखा कर बनाया गया मोटी परत का खाद्य पदार्थ, अमरस, आमपापड़।

अमावस स्त्री. (तद्.) दे. अमावस्या।

अमावस्य वि. (तत्.) 1. अमावस्या की रात में उत्पन्न 2. अमावस्या से संबंधित।

अमावस्या स्त्री. (तत्.) चांद्रमास कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि, घना अंधकार।

अमिट वि. (तत्.) 1. जो कभी न मिटे, जो नष्ट न हो, स्थायी 2. जो अटल हो, सदा रहनेवाला।

अमित वि. (तत्.) जो मित अर्थात् नपा-तुला मात्र न हो 1. अत्यधिक, बहुत अधिक, बेहिसाब 2. अपरिमित, असीम।

अमित अव्य. (तत्.) नजदीक से, चारों तरफ से।

अमितता स्त्री. (तत्.) 1. असीमता, सीमा का अभाव 2. अत्यधिकता।

अमितव्ययी वि. (तत्.) जो खर्चीला न हो, फिजूलखर्च।

अमिताई स्त्री. (तत्.) 1. अधिकता 2. [अ+मिताई] मित्रता का अभाव, शत्रुता।

अमिताचार पुं. (तत्.) असंतुलित व्यवहार, असंयम।

अमिताचारी वि. (तत्.) असंयत आचरण करने वाला।

अमिताभ वि. (तत्.) अत्यंत आभावान, अति तेजस्वी, अति कांति-युक्त पुं. गौतम बुद्ध का एक नाम।

अमिताशन पुं. (तत्.) 1. नपा-तुला भोजन, संतुलित आहार 2. बहुत खाने वाला व्यक्ति 3. अग्नि।

अमितांजा वि. (तत्.) जिसका ओज कम न हो, अत्यधिक तेज वाला।

अमित्र वि. (तत्.) 1. जो मित्र न हो 2. बिना मित्र का, जिसका कोई मित्र न हो 3. शत्रु।

अमित्रघाती वि. (तत्.) शत्रु का नाश करने वाला। शत्रुहन्ता।

अमित्रभूमि स्त्री. (तत्.) शत्रुभूमि, शत्रु का राज्य।

अमित्री वि. (तत्.) शत्रुतापूर्ण, विरोधी, अमित्रीय।

अमिथ्या वि. (तत्.) 1. जो मिथ्या न हो, जो असत्य न हो 2. जो व्यर्थ न हो विलो. मिथ्या।

अमिय पुं. (तद्.) अमृत।

अमियमूरि स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की जड़ी। संजीवनी बूटी।